सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 20 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 21 फरवरी, 2024

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्र में डालनी होगी।

– इलोन मस्क

जल्द ही क्रिकेट के मैदान पर वापसी... 7 | अमेठी में फिर होगा स्मृति बनाम... 3 | इंसाफ की जीत ने भाजपा की... 2

अपनी मांगों पर अड़े अन्नदाता

शंभू बॉर्डर पर मौजूद किसानों पर दागे गए आंसू गैस के गोले

» सरकार के खिलाफ किसानों का संघर्ष जारी
» केंद्र सरकार ने पांचवे दौर की वार्ता का दिया प्रस्ताव
» किसान नेताओं ने कहा- शांतिभंग करना हमारा इरादा नहीं
» सरकार एमएसपी पर कानून बना देती, तो ये सब नहीं होता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार और किसानों के बीच अभी तक एमएसपी समेत कई अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए फॉर्मूले पर सहमति नहीं बन पाई है। किसानों का दिल्ली चलो मार्च एक बार फिर से शुरू हो गया है। इस दौरान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर के शंभू बॉर्डर पर बवाल देखने को मिला है। प्रदर्शनकारी किसानों को तितर-बितर करने के लिए किसानों पर आंसू गैस के गोले दाग गए है। साथ ही पुलिस द्वारा किसानों को पीछे ढकेलने के लिए बल का प्रयोग भी किया गया। बैरिकेडिंग और गश्त को बढ़ा दिया है।

शंभू बॉर्डर पर करीब 10 हजार लोगों की भीड़ जमा है। इनके पास करीब 1200 ट्रैक्टर और ट्रॉली हैं।

प्रदर्शनकारियों के पास पुलिस बैरिकेड तोड़ने के लिए 2 प्रो क्लेम मशीन और जेसीबी मशीन है। इन प्रदर्शनकारियों के पास डंडे, पत्थर, आयरन शील्ड और फेस मास्क भी है। वहीं अब सरकार की ओर से पांचवे दौर की वार्ता का भी प्रस्ताव रखा गया है। हालांकि, एक ओर सरकार बातचीत का प्रस्ताव दे रही है, तो वहीं दूसरी ओर किसानों पर आंसू गैस के गोले भी दागे जा रहे हैं। वहीं सरकार के प्रस्ताव पर किसान संगठन भी अपनी मीटिंग पर मीटिंग कर रहे हैं।

हम चर्चा के लिए किसानों को फिर से आमंत्रित करते हैं : कृषि मंत्री

कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने एक बार फिर किसानों को पांचवें दौर की बातचीत का न्योता दिया है। मुंडा ने कहा कि सरकार चौथे दौर के बाद पांचवें दौर में सभी मुद्दे जैसे की एमएसपी की मांग, क्रॉप डायवर्सिफिकेशन, पराली का विषय, एफआईआर पर बातचीत के लिए तैयार है। मैं दोबारा किसान नेताओं को चर्चा के लिए आमंत्रित करता हूं। हमें शांति बनाए रखना जरूरी है। कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की ओर से चर्चा की कोशिशें की गई, कई प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। हमें बाद में पता चला कि किसान प्रस्ताव से खुश नहीं है। किसान संगठनों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमें समाधान के लिए चर्चा जारी रखनी होगी क्योंकि शांतिपूर्वक तरीके से हमें समाधान निकालना होगा।

लखनऊ में डीएम ऑफिस का किया घेराव

दिल्ली में जारी किसानों के प्रदर्शन का असर आज प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी देखने को मिला। ट्रैक्टर मार्च के जरिये किसानों ने लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने डीएम ऑफिस का घेराव किया। ये प्रदर्शन दिल्ली बॉर्डर पर किसानो पर अत्याचार को लेकर किया गया। भारतीय किसान यूनियन के लोग ट्रैक्टर मार्च कर डीएम ऑफिस के बाहर पहुंच गए, जहां उन्होंने घेराव किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष अलोक वर्मा ने किया।

शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली की ओर बढ़ेंगे : डल्लेवाल

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली की ओर आगे बढ़ेंगे। किसानों के राष्ट्रीय राजधानी की ओर बढ़ने की योजना के बीच डल्लेवाल ने कहा कि हमारा इरादा शांति भंग करने का नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार पर किसानों की मांगों के संबंध में देरी की नीति अपनाने का आरोप लगाया और सरकार से किसानों के पक्ष में फैसला लेने की अपील की।

कोई युवा किसान नहीं बढ़ेगा आगे : पंढेर

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने किसानों से अपील की है कि वे आगे नहीं बढ़ें। शंभू बॉर्डर पर अभी हंगामा हुआ है। पंढेर ने कहा है कि अगर केंद्र सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी देती है, तो प्रदर्शनकारी आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को कहा कि केंद्र सरकार के नुमाएंदे आए थे और उन्होंने फिर से बातचीत की बात कही है। पंढेर ने कहा है कि हमने फैसला किया है कि कोई भी युवा और किसान आगे नहीं चलेगा। सिर्फ किसान नेता ही आगे चलेंगे। हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ेंगे। ये सब कुछ खत्म हो जाता, अगर सरकार एमएसपी पर कानून बना देती।

सपा-कांग्रेस के बीच बन गई बात

» अखिलेश बोले- अंत भला तो सब भला
» जल्द हो सकता है गठबंधन का औपचारिक ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में अब काफी कम वक्त बचा है, लेकिन अभी तक विपक्षी गठबंधन इंडिया में काफी हद तक तस्वीर साफ नहीं हो पाई है और कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे पर बात नहीं बन पा रही है। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट शेयरिंग पर बात बनते-बनते रह जा रही है। जिसके बाद कल ये खबरें आ गई थीं कि अब यूपी में गठबंधन नहीं होगा।

लेकिन आज एक बार फिर सपा-कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर बड़ी खबर सामने आई। खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये साफ किया कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन होगा। अखिलेश ने कहा सब कुछ तय हो गया है और जल्द ही औपचारिक ऐलान भी कर दिया जाएगा। इस दौरान सपा मुखिया ने साफ कहा कि अंत भला तो सब भला।

फाइल फोटो

कोई विवाद नहीं : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे बीच कोई विवाद नहीं है। जल्द ही सारी चीजें साफ हो जाएंगी। बाकी चीजें तो पुरानी हो गई हैं। अंत भला तो सब भला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की कोशिश रहेगी कि लोगों को जोड़ा जाए। समय आने पर लोगों को जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके बाद ऐसा माना जा रहा है कि आज शाम को ही सीट बंटवारे का ऐलान हो सकता है। बता दें कि समाजवादी पार्टी अब तक 31 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। जानकारी के मुताबिक सपा कांग्रेस को 17 से 19 सीटें दे सकती है।

उन्नाव में राहुल के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

» लखनऊ से आगे बढ़ी भारत जोड़ो न्याय यात्रा
» आज शाम कानपुर की सीमा में करेगी प्रवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 39वां दिन है। यात्रा आजकल उत्तर प्रदेश में है। आज राहुल अपनी यात्रा लेकर उन्नाव पहुंचे। इस दौरान यात्रा का 12 स्थानों पर स्वागत किया गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष आरती बाजपेयी ने बताया कि पार्टी के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने आज सुबह लखनऊ के बनी से उन्नाव जिले की सीमा में प्रवेश किया। यहां से यात्रा का सोहरामऊ, नवाबगंज टोल टैक्स, दही चौकी व उन्नाव बाईपास पर

स्वागत किया गया।

यात्रा बाईपास से शहर के अंदर होते हुए सुबह शास्त्री प्रतिमा पहुंची। यहां पर राहुल गांधी ने शास्त्री प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। खुली जीप में सवार होकर बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा होते हुए गांधी तिराहा पहुंचे। फिर आगे की यात्रा बस में करते हुए शेखपुर नहर चौराहा, सिंगरोसी तिराहा, मरहला चौराहा व गंगाघाट कोतवाली के पास पहुंचे। इसके बाद यात्रा आज कानपुर की सीमा में प्रवेश कर जाएगी।

इंसाफ की जीत ने भाजपा की बेईमानी का किया भंडाफोड़

» अखिलेश बोले- लोकतंत्र की हत्या कर भाजपा ने पूरे विश्व में भारतीयों का शर्म से झुकाया सिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

लखनऊ। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हुई धांधली को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया और पुराने परिणाम को खारिज करके आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ का मेयर घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट के इस अहम फैसले के बाद अब आप समेत पूरा विपक्ष जहां जश्न मना रहा है, साथ ही भारतीय जनता पार्टी पर लगातार निशाना भी साध रहा है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है।

शीर्ष अदालत के फैसले के बाद सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में हुई 'इंसाफ की जीत' भाजपा की बेशरम बेईमानी का भंडाफोड़ है। अखिलेश ने लिखा कि लोकतंत्र की सरेआम हत्या की दोषी बनकर भाजपा देश मे ही नहीं बल्कि विश्वभर में भारतीयों के लिए शर्म का कारण बन गयी है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को गहरी ठेस लगी है। ये भाजपा की एक ऐसी हार है जिससे भाजपा समर्थक मानसिक रूप से पराजित होकर समाज का सामना करने की हिम्मत अब कभी नहीं जुटा पाएंगे। भाजपा ने लोकतंत्र ही नहीं, अपने समर्थकों को भी ठगा है। राष्ट्रवाद का मुखौटा लगाकर जनमत लूटने वाले भाजपाई सिर्फ लोकतंत्र के अपराधी नहीं बल्कि अधर्मी और पापी भी हैं। जनता इन भाजपाई ठगों को लोकसभा में बुरी तरह हराकर लोकतंत्र-धर्म की जीत सुनिश्चित करेगी।

बीजेपी पर अब कोई नहीं करेगा विश्वास

सपा प्रमुख ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में चोरी करती रंगे हाथ पकड़ी गयी भाजपा पर अब कोई विश्वास नहीं करेगा। बंगाल में एक आईपीएस अधिकारी को भाजपाइयों द्वारा खालिस्तानी कहे जाने से पूरे देश की भारतीय सेवा की पुलिस प्रशासनिक बिरादरी में रोष-आक्रोश फैल गया है। हार के डर से भाजपा इस स्तर तक गिर गयी है कि वो देश के अधिकारियों पर निराधार आरोप लगाकर उनका मनोबल गिराना चाहती है। हारती हुई भाजपा की हताशा ही उससे ऐसे काम करा रही है।

बदायूं से शिवपाल बने सपा के लोस उम्मीदवार

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समाजवारी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की पांच और सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। सूची में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव को बदायूं से उम्मीदवार घोषित किया है। सबसे बड़ी बात पहली सूची में बदायूं से अखिलेश के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी घोषित किया गया था। लेकिन अब अचानक धर्मेंद्र यादव की जगह शिवपाल यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। धर्मेंद्र यादव बदायूं सीट से दो बार सांसद रह चुके हैं। पिछले चुनाव में वो संघमित्रा मौर्य से चुनाव हार गए थे। अब जब अचानक धर्मेंद्र यादव का टिकट काट दिया गया है। तो सपा के इस फैसले को स्वामी प्रसाद मौर्य की घेराबंदी के तौर पर भी देख जा रहा है। संघमित्रा मौर्य बदायूं में डटी हुई हैं, वो इस सीट पर अपनी तैयारियों को धार दे रही हैं। बीजेपी ने हालांकि, अभी तक उनके नाम का एलान नहीं किया है, लेकिन सिटिंग सांसद के तौर पर उनकी तैयारी जोरों पर है। वहीं धर्मेंद्र यादव की सीट को लेकर बड़ी जो जानकारी सामने आ रही है, उसके मुताबिक, धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी आजमगढ़ से टिकट दे सकती है।

नेहरू-पटेल भी लागू करना चाहते थे यूसीसी : शाह

» बोले- पिछली सरकारों ने अल्पसंख्यकों के वोट लेने के लिए नहीं लागू किया कानून

» दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने वाला भारत तीसरा देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव करीब आते ही यूसीसी का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। अब गृह मंत्री अमित शाह ने यूसीसी को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि सरदार पटेल, मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू और राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि देश में यूसीसी लागू होना चाहिए। शाह ने अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाया।

बीते सात दशक से अधिक कालखंड में बनीं सरकारों का जिक्र कर शाह ने कहा कि अब तक वे यूसीसी इसलिए नहीं ला पाए क्योंकि वे अल्पसंख्यक वोट हासिल करने की जुगत में लगे थे। वहीं, भाजपा की नीतियों और प्राथमिकताओं की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासित उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। गृहमंत्री शाह ने यूपीए सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि हम सभी ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शासन देखा है। पिछले 10 वर्षों में हर दिन भारत में पाकिस्तान से कोई न कोई प्रवेश कर जाता था। पाकिस्तान से आकर वह आंतक फैलाता है। इसका कोई जवाबदेह भी नहीं होता था। फिर जनता ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना। पाकिस्तान ने फिर भारत को आतंकित करने की कोशिश की लेकिन इस बार पीएम ने पुंछ और पुलवामा हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने 10 दिनों में सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमला कर जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले सिर्फ दो ही ऐसे देश थे, जो जवाबी कार्रवाई करते थे। अब भारत तीसरा देश बन गया है, जो मुंहतोड़ जवाब देता है।

पहले अपने नेताओं के साथ न्याय करें राहुल : कृष्णम

» बोले- कांग्रेस में वरिष्ठ नेताओं के साथ हो रहा अन्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। कांग्रेस से निष्कासित किए जा चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी में जो नेता उनके पिता, दादी और मां के साथ रहे, उनके साथ बेइज्जती का व्यवहार हो रहा है।

उनके साथ अन्याय हो रहा है। पहले राहुल गांधी को अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ न्याय करना चाहिए। तब जाकर किसी को कुछ कहना चाहिए। श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर कहा कि किसी की दुकान में कोई सौदा नहीं बचा है।

बीजेपी अब डस्टबिन पार्टी है : तेजस्वी यादव

» बोले- बिहार में अब दो ही पार्टी हैं राजद-भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोतिहारी। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव इस समय जन विश्वास यात्रा निकाल रहे हैं। इस बीच मोतिहारी पहुंचे तेजस्वी यादव ने इंडिया अलायंस से आरएलडी और जेडीयू जैसे दलों के बाहर जाने पर कहा कि सब साथ होते तो और बेहतर होता। बीजेपी को निशाने पर लेते हुए राजद नेता ने कहा कि वह अब डस्टबीन पार्टी है।

पहले वाशिंग मशीन थी अब कूड़ा है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी हमला बोला। नीतीश कुमार के साथ आगे गठबंधन करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता अब यह नहीं चाहती है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार को जरूरत है तो हम मदद दे सकते हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग बोलते हैं कि हम एमवाई यानी मुस्लिम यादव की पार्टी हैं। लेकिन हमारे साथ माय ही नहीं बल्कि बाप भी है। यानी बी से बहुजन, ए से अगड़े, ए से आधी आबादी और पी से पूअर यानी गरीब लोग भी हैं। ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम डरने वालों में से नहीं। उनको भी सीखने को मिलेगा। फोन सर्विलेंस पर चलता रहता है।

हमने 17 सालों का काम 17 महीनों में किया

गठबंधन में टूट पर तेजस्वी ने कहा कि दुख इस बात का नहीं कि क्या हुआ। 122 की मेजोरिटी चाहिए थी। जैसे चंडीगढ़ में चोरी हुई वोटों की वैसे ही हमारा मैंडेट चोरी किया गया। फिर भी हम 17 सालों का काम 17 महीनों में कर दिखाया। निर्मला सीतामरण मैनिफेस्टो में कहती हैं कि रोजगार सृजन 19 लाख है, पर हमने रोजगार दिया। नीतीश कुमार से कहूंगा कि आपको आना है तो पूर्ण बहुमत लेकर आइए। कभी इसमें दिक्कत और कभी उसमें दिक्कत। आप आए ये कहकर कि ऑपरेशन लोटस हो रहा है। विपक्ष की गोलबंदी की स्ट्रेटेजी लेकर आए। हम साथ थे क्योंकि नौकरी की शर्त रखी थी हमने। राजद नेता ने कहा कि बिहार में असली दो विरोधी है- बीजेपी और आरजेडी। हमारी ही लड़ाई है। नीतीश जी की पार्टी का कोई भविष्य नहीं। 2024 में ही ये पार्टी समाप्त हो जाएगी।

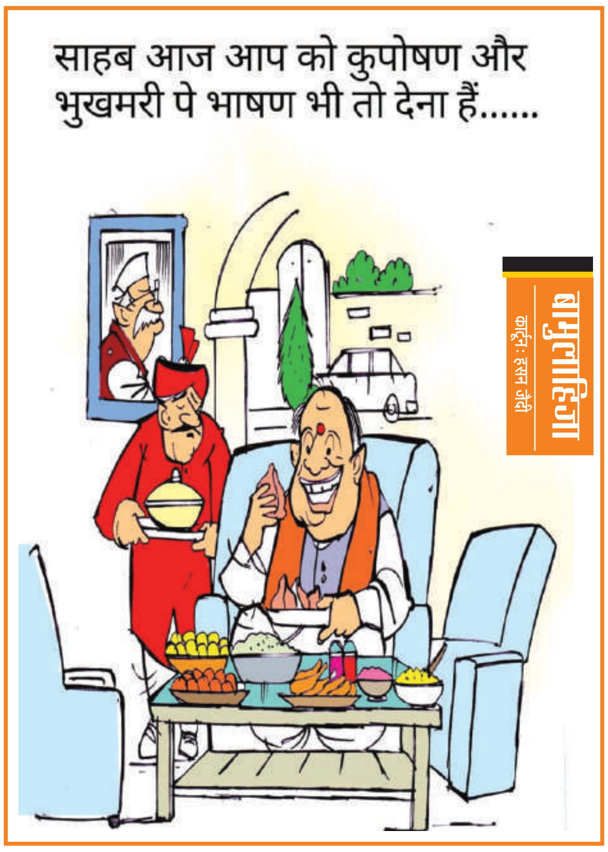

राहुल गांधी ने झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं सीखा: सरमा

» बोले- राहुल की यात्रा जहां-जहां से गुजर रही वहां कांग्रेस को झटका लग रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो जिन-जिन राज्यों से होकर गुजर रही है, वहां कांग्रेस को बड़ा झटका मिल रहा है। विजय संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि राहुल ने इस दुनिया में झूठ के अलावा कुछ भी नहीं सीखा है।

सरमा ने कहा कि जहां से भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकल रही है, वहां कांग्रेस का पतन हो रहा है। अब वह उत्तर प्रदेश में हैं, लेकिन उनका अखिलेश यादव से मतभेद हो रहा है। जहां भी न्याय यात्रा जाएगी, वहां कांग्रेस के साथ अन्याय होगा। सरमा ने कहा कि राहुल कहते हैं कि पीएम मोदी ने क्या किया? राहुल और प्रियंका गांधी उसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैलियां कर रहे हैं, जिसे पीएम मोदी ने बनाया है। राहुल ने दुनिया में झूठ बोलने के अलावा कुछ भी नहीं सीखा है। राहुल गांधी एक जोड़े के तौर पर भारत का दौरा कर रहे हैं। जब उन्होंने पहली बार भारत का दौरा किया था, तो वे तीन राज्यों में चुनाव हार गए थे। इस बार वह पूरा देश हार जाएंगे।

अमेठी में फिर होगा स्मृति बनाम गांधी का मुकाबला!

यात्रा को मिले अपार समर्थन से उत्साहित हुई कांग्रेस

दो साल बाद अमेठी पहुंचे राहुल को देखने-सुनने उमड़ा जनसैलाब

» राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से बदला माहौल

» स्मृति ईरानी ने राहुल को दिया चैलेंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले पूरे देश के साथ उत्तर प्रदेश का भी सियासी पारा चढ़ा हुआ है। चुनावों के बिल्कुल मुहाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर निकले हैं। 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई राहुल गांधी की ये भारत जोड़ो न्याय मार्च के महीने में महाराष्ट्र के मुंबई शहर में जाकर समाप्त होगी। मणिपुर, असम, नागालैंड, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे राज्यों में होते हुए भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 फरवरी से उत्तर प्रदेश में बनी हुई है। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनावों की दृष्टि से काफी अहम राज्य है। जिसे हर राजनीतिक दल साधना चाहता है।

ऐसे में राहुल गांधी भी अपनी यात्रा को लेकर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घूम रहे हैं। वाराणसी, प्रतापगढ़, अमेठी और रायबरेली होते हुए राहुल की यात्रा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक का सफर पूरा कर चुकी है। अपनी पूरी यात्रा के दौरान ही राहुल आम जन से मिल रहे हैं और साथ ही अपनी सभाओं में केंद्र की मोदी सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। इस बीच जब यात्रा यूपी के अमेठी में पहुंची तो अलग ही चर्चा का विषय बन गई। क्योंकि ये वो ही अमेठी है जहां से राहुल गांधी 2004, 2009, 2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव लड़े। जिसमें लगातार तीन बार यानी 15 साल तक राहुल अमेठी के सांसद रहे, वहां के जनप्रतिनिधि रहे। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में इसी अमेठी से राहुल को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने शिकस्त दी। लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद राहुल ने अमेठी से दूरी बना ली। 2019 में राहुल अमेठी के साथ-साथ वायनाड से भी लोकसभा चुनाव लड़े थे, जहां उन्होंने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी। वायनाड से मिली जीत और अमेठी से मिली हार के बाद राहुल ने अमेठी से दूरी बना ली थी। वहां जाना भी कम कर दिया था। लेकिन इस बार जब अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर राहुल यूपी आए तो उनकी यात्रा अमेठी भी पहुंची। ऐसे में राहुल के अमेठी पहुंचते ही वो चर्चा के केंद्र में आ गए, क्योंकि लगभग दो सालों के बाद राहुल गांधी अमेठी पहुंचे थे। यहां राहुल का जबरदस्त स्वागत हुआ और उनको देखने के लिए भीड़ भी उमड़ी। इस दौरान राहुल गांधी ने अमेठी में लोगों को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार पर जबरदस्त हमला भी बोला। अब राहुल गांधी के एक बार फिर अमेठी आने और यहां लोगों के बीच जाने से और उन्हें मिले समर्थन को देखकर ये चर्चा फिर से शुरू हो गई है कि क्या 2024 में एक बार फिर अमेठी में स्मृति बनाम राहुल की जंग देखने को मिलेगी? क्या राहुल गांधी विगत आम चुनावों की तरह इस बार भी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे?

दरअसल, जिस तरह से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने अमेठी में समय दिया, उससे यही लगता है कि कांग्रेस अपने इस किले के कब्जे को लेकर फिर से काफी गंभीर है। अब एक बार फिर कांग्रेस अपने किले पर अपना पंजा छापना चाहती है। राहुल गांधी जिस तरह से अमेठी में दहाड़े हैं उससे यही लगता है कि वो अमेठी को फिर से हासिल करना चाहते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गांधी परिवार के विश्वस्त जयराम रमेश की बातें भी ऐसी हैं जिससे लग रहा है कि राहुल या गांधी फैमिली का कोई शख्स यहां से चुनाव लड़ सकता है। राहुल गांधी के अमेठी पहुंचने से पहले से ही यहां माहौल गरम हो चुका था। राहुल को देखने के लिए जिस तरह की भीड़ अमेठी में जुटी उससे कांग्रेस जरूर उत्साहित होगी। हालांकि, बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी गो बैक के नारे लगाए। पर यह भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस तरह के नारे बताते हैं कि बीजेपी को भी राहुल के आने से दिक्कत हो रही है। ये दिक्कत होना स्वाभाविक भी है। मतलब चुनाव में कड़ी टक्कर मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर अमेठी में राहुल दिख रही दीवानगी और उन्हें मिल रहे समर्थन को देखकर स्मृति ईरानी भी चिंतित हैं। इसीलिए खुद को मजबूत दिखाने के लिए अमेठी से वर्तमान में लोकसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को चैलेंज कर दिया है कि दम है तो अमेठी से चुनाव लड़कर दिखाएं।

राहुल ने बदल दी अमेठी की हवा!

अमेठी में राहुल के पहुंचने पर वहां का माहौल कुछ अलग ही था। राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए घरों और दुकानों के बाहर लोग जमा हो गए थे। जिले की सड़कें कांग्रेस के झंडों, न्याय योद्धा जैसे नारों वाले होर्डिंग और राहुल के कटआउट से पटी हुई थीं। हालांकि, स्मृति ईरानी ने 2019 में राहुल को 55,000 वोटों से हराकर सीट जीत ली थीं, पर राहुल के दौरे पर अमेठी की हवा में उत्साह था। लगभग 50 कारों का उनका काफिला जिस तरह से अमेठी के ककवा रोड, सगरा तिराहा, रायपुर फुलवारी, गौरीगंज से होते हुए बाबूगंज की ओर चली उससे लगता था कि राहुल गांधी पूरे अमेठी को छू लेना चाहते हैं। इस दौरान राहुल बहुत होशियारी से यहां लोकल मुद्दों पर बात नहीं करते। वो जाति जनगणना की बात करते हैं। वो दलितों और पिछड़ों की बात करते हैं। राहुल कहते हैं कि हमारी यात्रा के दौरान बहुत सारे लोग हमारे पास आए, जिनमें किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी भी शामिल थे। उन्होंने हमें बेरोजगारी, मुद्रास्फीति के बारे में बताया और जीएसटी के बारे में शिकायत की। फिर राहुल अमेठी से अपने पुराने रिश्ते की बात करते हैं। राहुल कहते हैं मैं अमेठी आया हूं और आपने प्यार से मेरा स्वागत किया है। हमारा रिश्ता बहुत पुराना है, प्यार का रिश्ता है। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देता हूं।

स्मृति ईरानी ने संभाला मोर्चा

दूसरी तरफ स्मृति इरानी भी अमेठी में मोर्चा संभाले हुई हैं। वो राहुल गांधी को अपने खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती भी दे रही हैं। उनका दावा है कि राहुल गांधी के स्वागत के लिए भी प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर से लोग लाने पड़े हैं। वो कहती हैं कि अगर वो आश?वस?त हैं, तो वायनाड जाए बिना अमेठी से चुनाव लड़कर दिखाएं। स्मृति इरानी के साथ प्लस पॉइंट यह है कि वह लगातार अमेठी की जनता की टच में हैं। चुनाव जीतने के बाद भी वो हर महीने अमेठी आती हैं। जबकि राहुल गांधी चुनाव हारने के बाद केवल 3 बार अमेठी आए हैं। 22 फरवरी को स्मृति इरानी अमेठी में अपने नए बने घर में गृह प्रवेश करने वाली हैं। स्मृति इरानी ने अमेठी में घर बनवाने की वजह भी बताई थी कि उनसे मिलने के लिए लोगों को दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। जाहिर है, ये भी गांधी परिवार पर ही कटाक्ष था। हालांकि, कई सर्वे रिपोर्ट्स में ये देखने को मिला है कि अमेठी की जनता स्मृति ईरानी से खुश नहीं है। यही वजह है कि कई इलाकों में स्मृति ईरानी का काफी विरोध भी देखने को मिल रहा है। इसलिए इस बार स्मृति ईरानी के लिए भी माहौल उतना अनुकूल नहीं है। यही वजह है कि चुनाव करीब आता देख स्मृति ईरानी भी अमेठी में ही बसने का प्लान बना रही हैं।

क्या अमेठी में होगी गांधी परिवार की वापसी ?

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अमेठी में जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जयराम रमेश आदि मौजूद थे। इससे यही लगता है कि अमेठी को लेकर कांग्रेस के पास कोई न कोई योजना जरूर है। जयराम रमेश से यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस सांसद ने कहा कि अमेठी से कौन चुनाव लड़ेगा इसका फैसला सीईसी करेगा पर उन्होंने राहुल के चुनाव न लड़ने की बात से इनकार नहीं किया। जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी तीन बार अमेठी से सांसद रह चुके हैं। उनके पिता राजीव गांधी भी इसी सीट से चुनाव लड़ते थे, इसलिए यह कांग्रेस पार्टी के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र है। जयराम रमेश ने हालांकि ये जरूर कहा कि कई जगह अमेठी में लोगों ने राहुल से वापसी की मांग की और उनके वापस आने के नारे भी लगाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेठी के लोगों को ये एहसास है कि 2019 में उनसे गलती हो गई। इसलिए वो राहुल जी से वापस अमेठी आने की मांग कर रहे हैं। इन बातों से ऐसा जाहिर होता है कि शायद फिर से राहुल या गांधी परिवार का कोई सदस्य अमेठी से लोकसभा चुनाव में उतर सकता है।

अमेठी का गणित

अमेठी में 2019 में सपा और बसपा से समर्थन मिलने के बावजूद कांग्रेस अमेठी सीट नहीं बचा पाई थी और इस बार अब तक नहीं लग रहा है कि दोनों पार्टियां उनके साथ रहने वाली हैं। 2022 और 2017 के विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस यहां से साफ हो गई। 2022 में सपा और बीजेपी के बीच अमेठी में कड़ा मुकाबला देखने को मिला था। ऐसे में इस बार कांग्रेस चाहेगी कि इंडिया गठबंधन का सामंजस?य पूरे प्रदेश में भले न कहीं दिखाई दे पर कम से कम अमेठी और रायबरेली में कोई दूसरा दल कांग्रेस के वोट न काटे। जातीय गणित भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं है। यहां करीब 26 प्रतिशत वोटर्स दलित हैं। पिछली बार बीएसपी के सपोर्ट के बावजूद राहुल गांधी को इनका समर्थन नहीं मिला। इस बार जाहिर है कि बीएसपी का प्रत्याशी होने के चांस हैं। जिससे कांग्रेस के वोट और कम हो सकते हैं। 18 प्रतिशत ब्राह्मण और 11 प्रतिशत राजपूत वोट बीजेपी को ही मिलने वाला है।10 प्रतिशत लोध और कुर्मी वोट अब बीजेपी के कोर वोटर्स हो चुके हैं। हां मुस्लिम वोट करीब 20 प्रतिशत के करीब हैं।अगर समाजवादी पार्टी अपने प्रत्य़ाशी नहीं खड़े करती है तो ये वोट कांग्रेस के पक्ष में जाएंगे।

प्रियंका अमेठी से लड़ेंगी चुनाव !

हालांकि, कुछ सर्वे का ये भी मानना है कि अमेठी से स्मृति ईरानी के मुकाबले में अगर राहुल की जगह प्रियंका गांधी चुनाव लड़ें तो मुकाबला और भी कड़ा हो सकता है और नतीजे भी बदल सकते हैं। वैसे इसकी संभावना पहले भी जताई जा चुकी है कि प्रियंका इस बार लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि, प्रियंका अमेठी से लड़ेंगी या रायबरेली से इसको लेकर लगातार संशय बना हुआ है। तो वहीं सपा की भूमिका भी देखने वाली होगी। क्योंकि अगर सपा अमेठी से अपना उम्मीदवार उतारती है तो परिस्थितियां कुछ अलग हो सकती हैं। हालांकि, अगर प्रियंका गांधी राहुल गांधी के साथ आई होतीं तो एक बार ऐसी संभावनाओं को बल भी मिलता पर ऐसा नहीं हुआ। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान तो प्रियंका गांधी को अमेठी में काफी सक्रिय देखा गया था पर उसके बाद वो गायब ही हो गईं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

छोटे से चुनाव में भाजपा ने करा ली अपनी बड़ी फजीहत

> कोर्ट के इस फैसले के बाद अब आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार चंडीगढ़ के नए मेयर बन गए हैं। तो वहीं इस फैसले का आम आदमी पार्टी समेत पूरे विपक्ष ने खुली बाहों से स्वागत किया। बेशक सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ये मामला निपट गया और जीत सत्य की हुई। लेकिन भाजपा द्वारा जिस तरह की धांधली एक मामूली से मेयर के चुनाव में की गई वो इस देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हुई धांधली को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने पुराने नतीजों को खारिज करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर दिया। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा अमान्य घोषित किए गए सभी 8 वोटों को मान्य करार देने के निर्देश दिए। इन सभी वोटों के बैलेट पेपर पर रिटर्निंग ऑफिसर ने क्रॉस लगाया था। सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा कि सभी 8 वोट याचिकाकर्ता उम्मीदवार कुलदीप कुमार के पक्ष में थे। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार चंडीगढ़ के नए मेयर बन गए हैं। तो वहीं इस फैसले का आम आदमी पार्टी समेत पूरे विपक्ष ने खुली बाहों से स्वागत किया। बेशक सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ये मामला निपट गया और जीत सत्य की हुई। लेकिन भाजपा द्वारा जिस तरह की धांधली एक मामूली से मेयर के चुनाव में की गई वो इस देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है। क्योंकि जब मेयर के चुनाव में ये गड़बड़ी की गई तो विधानसभा और लोकसभा जैसे बड़े चुनावों में बीजेपी क्या-क्या करती होगी, इसे सोचा जा सकता है।

कहने को भले ये रिटर्निंग ऑफिसर ने किया, लेकिन ये किसके इशारे पर हुआ और इससे लाभ किसे मिला ये हर कोई जानता है। धांधली करके भाजपा के प्रत्याशी को ही जिताया गया था। तो वहीं इस धांधली ने बीजेपी पर विपक्ष के आरोपों को भी पुख्ता कर दिया। ऐसे में अब जब सुप्रीम कोर्ट ने नतीजों को खारिज कर आप प्रत्याशी को ही मेयर घोषित कर दिया है, तो इससे सबसे ज्यादा फजीहत भारती जनता पार्टी की ही हुई है। क्योंकि जो भाजपा उस समय ये दंभ भर रही थी कि कोई धांधली नहीं हुई है और अपने जीते हुए प्रत्याशी को बधाई दे रही थी, अब आखिर वो भाजपा और उसके नेता कहां मुंह दिखाएंगे? आखिर अब किस मुंह से पीएम मोदी छाती ठोककर ये कह पाएंगे कि भारत में लोकतंत्र खतरे में नहीं है। क्योंकि इस तरह के चुनावों में बेईमानी करना और धांधली करके अपने प्रत्याशियों को जिताना व जीते हुए प्रत्याशियों को हराना लोकतंत्र की हत्या नहीं तो और क्या है? लोकतंत्र का मतलब ही है कि भारत में जनादेश को तवज्जो दी जाती है, लेकिन भाजपा अब अपनी मनमानी व तानाशाही चलाने के लिए आए दिन जनादेश व देश के लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है, उसकी निर्मम हत्या कर रही है। ऐसे में चंडीगढ़ मेयर चुनाव में उसकी बेईमानी सामने आना और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला पूरी भारतीय जनता पार्टी व पार्टी आलाकमानों के मुंह पर एक तमाचा है। ये फैसला बीजेपी को आईना दिखाता है कि सत्य को परेशान किया जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि भाजपा इस फैसले से कुछ सीख लेगी और विपक्ष को ऐसा मौका दोबारा नहीं देगी। साथ ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भी हिफाजत करेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत की समृद्धि में योगदान बढ़ाते प्रवासी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम, अबू धाबी में भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय भारत और संयुक्त अरब अमीरात मिलकर 21वीं सदी का नया इतिहास लिख रहे हैं। आप यहां जो मेहनत कर रहे हैं, उस ऊर्जा से भारत भी आगे बढ़ रहा है। भारत के बढ़ते हुए सामर्थ्य ने दुनिया को भी स्थायित्व और समृद्धि की उम्मीद दी है। दुनिया को लगा है कि भारत एक भरोसेमंद ग्लोबल ऑर्डर स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। आज दुनिया के हर बड़े मंच पर भारत की आवाज सुनी जाती है। आज का मजबूत भारत कदम-कदम पर अपने लोगों के साथ खड़ा है। बीते 10 वर्षों में जहां भी विदेशों में बसे भारतीयों को समस्या आई, भारत सरकार ने तेजी से एक्शन लिया है। यूक्रेन, सूडान, यमन और दूसरे संकटों के दौरान फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित निकाल कर भारत लाया गया है। आज भारतीय समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है।

वस्तुत: प्रवासी भारतीय भारत की नई ऊर्जावान शक्ति हैं। यूएई में करीब 35 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं और इन्होंने वर्ष 2023 में अपनी कमाई में से 20 अरब डॉलर से अधिक रेमिटेंस भारत भेजी है। इस समय जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में ऊंचाई प्राप्त कर चुका है। आगामी पांच वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यूएई सहित दुनियाभर के प्रवासी भारतीय अपनी मातृभूमि के लिए अधिक तत्परता के साथ योगदान देने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन भेजने के मामले में वर्ष 2023 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023 में प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। टॉप-5 रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डालर), चीन (50 अरब डालर), फिलीपींस (40 अरब डालर) और मिस्र (24 अरब डालर) शामिल हैं। रिपोर्ट से यह बात भी उभरकर सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और दुनिया के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में धीमापन आने के कारण भारतीय प्रवासियों की आमदनी में बड़ी कमी आई थी, फिर भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा वर्ष 2020 में भेजी गई 83 अरब डॉलर की बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। पिछले वर्ष 2023 में प्रवासियों द्वारा भेजी गई 125 अरब डॉलर की धनराशि अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के मद्देनजर बड़ी अहम रही है। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले क्रम का देश बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि दुनिया के भारतीय समुदाय के विभिन्न वर्गों द्वारा भारत के विकास के लिए योगदान दिया जा रहा है। प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है, जिसकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। मोटे तौर पर प्रवासी भारतीयों में भारतवंशी (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन), नॉन रेसिडेंट इंडियन (एनआरआई) और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) शामिल हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में भारतीय एनआरआई की संख्या करीब 1.34 करोड़ है और ये भारत में अपने संबंधित क्षेत्र में मतदान के पात्र हैं। सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय अमेरिका में रहते है। अमेरिका में विभिन्न प्रवासी समूहों में सबसे अधिक आय भारतीयों की है। भारतीय मूल के लोग अमेरिकी आबादी का एक प्रतिशत से थोड़ा अधिक हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के कर खजाने का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं।

नवाज के पीएम पद की दौड़ से हटने की तार्किकता

के.एस. तोमर

विश्व राजनीतिक पटल पर और विशेषकर पाकिस्तान के प्रबुद्ध वर्ग में यह बहस जोर पर है कि किन कारणों के चलते तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता नवाज शरीफ ने इस बार स्वयं को प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अलग कर छोटे भाई शहबाज शरीफ का नाम आगे किया जबकि सेना की वे पहली पसंद थे। माना जाता है कि सेना प्रमुख असीम मुनीर द्वारा सारा प्लान ही इस दृष्टि से गढ़ा गया था कि नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाया जा सके। विदेशी नीति विशेषज्ञों का मत है कि यह योजना उसी प्रकार थी जिस प्रकार पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा ने इमरान खान को प्रधानमंत्री की गद्दी पर बिठाया था। हालांकि बाद में दोनों में मतभेद पैदा हो गए क्योंकि दोनों ही वर्चस्व चाहते थे। ऐसा हो गया था,जैसे नौकर ने मालिक के अधिकार को चुनौती दे दी हो और अब भी इसी प्रकार की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। नवाज शरीफ संभवत: इस स्थिति के लिए तैयार न थे क्योंकि उन्हें 2018 का तल्ख अनुभव था जब सेना द्वारा उन्हें पदच्युत किया गया था।

विशेषज्ञों का मानना है कि नवाज शरीफ ने अपने पत्ते कुशलता से खेलते हुए ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि सेना के पास शहबाज को प्रधानमंत्री बनाने के सिवा कोई चारा ही नहीं है। इससे जहां स्वयं को बाहर रखा वहीं यह भी सुनिश्चित कर दिया कि सत्ता की चाबी उनके ही परिवार के पास रहे। इस कड़ी का दूसरा महत्वपूर्ण परिणाम है, पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण सूबे पंजाब के मुख्यमंत्री का ताज मरियम शरीफ के सिर सजेगा। दरअसल सेना ने चक्रव्यूह ऐसा रचा है कि हर हाल में इमरान खान को इस दौड़ से बाहर रखा जाए और पूर्व प्रधानमंत्री करीब 150 मुकदमों का सामना कर रहे हैं। न्यायालयों द्वारा तीन मामलों में उन्हें दोषी करार देते हुए लगभग 24 वर्ष की सजा भी सुना दी गयी है। इमरान खान ने सेना के विरुद्ध आवाज उठाई थी उसी कारण नवाज शरीफ को इंग्लैंड से वापस लाया गया। बता दें कि उच्चतम न्यायालय द्वारा पनामा पेपर्स में हुए भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद उन्हें 10 साल की सजा हुई थी और जुर्माना लगाया था। नवाज को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया था और वे इंग्लैंड चले गए थे।

जब नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने तो 25 जून 2023 को संसद ने कानून पास कर दिया जिसके अन्तर्गत आजीवन प्रतिबंध को घटाकर 5 वर्ष कर दिया। इसका मकसद अपने बड़े भाई नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने और राजनीति में भाग लेने का मार्ग प्रशस्त करना था। इन चुनावों में यह आरोप भी लगा कि भारी धांधली की गई ताकि नवाज शरीफ की पार्टी की जीत सुनिश्चित की जा सके लेकिन यह योजना असफल हो गई क्योंकि अधिकांश निर्दलीय विजयी सांसदों ने इमरान खान का समर्थन किया। जेल में होने के बावजूद इमरान खान की पार्टी को सर्वाधिक सीटों पर जीत मिली। नवाज शरीफ के दल को बहुमत नहीं मिला जिस कारण योजना सिरे नहीं चढ़ पायी और नतीजा यह कि नवाज शरीफ ने स्वयं को प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अलग कर लिया। लेकिन नवाज शरीफ ने शहबाज को आगे किया जिन्हें अनुभव भी है और संभवत: उन्हें सहयोगियों के साथ परेशानी नहीं होगी। जाहिर है, नवाज शरीफ और सेना प्रमुख में समझौता है जिसके कारण सरकार चलाना और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरल होगा।

शहबाज शरीफ की नयी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से उसके द्वारा जारी किये ऋण की सख्त शर्तों को लागू करना होगा जिसके अन्तर्गत सरकार को कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था को स्थिर करना होगा। वहीं इस समय देश में कीमतें आसमान छू रही हैं । उधर हाल की बाढ़ ने देश को अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया था और हजारों लोग मारे गए थे। अब ये नयी सरकार की जिम्मेदारी है कि जहां पुनर्वास का काम सुचारू चलाया जाए । हाल के चुनावों में धांधली के आरोपों को लेकर जहां अमेरिका और यूरोपीय देशों ने आवाज उठाते हुए जांच की मांग की है वहीं चीन इस मामले पर चुप है। यद्यपि चीन ने कई मौकों पर पाकिस्तान को वित्तीय संकट से उबारा लेकिन अब हालात काबू से बाहर प्रतीत होते हैं। चीन की नीति के कारण पाकिस्तान कर्ज के दलदल में फंस गया है और इस समय पाकिस्तान में चीन का निवेश 65 अरब डॉलर से अधिक जा पहुंचा है। चीन ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की शर्तों के अनुसार ग्वादर बंदरगाह पर नियंत्रण कर लिया है। अमेरिका और भारत दोनों ने ही चीन-पाकिस्तान के इस समझौते का विरोध किया है।

वहीं शरीफ सरकार को सावधानी बरतनी होगी ताकि पाकिस्तान चीन के कर्ज के बोझ के नीचे न दब जाए। उधर चीन अपने वित्तीय हितों की रक्षा के लिए शरीफ सरकार से अच्छे संबंध बनाए रखना चाहेगा। वहीं अमेरिका इमरान खान के विरुद्ध है जबकि अमेरिका और पाकिस्तानी सेना में सदा ही अच्छे संबंध रहे हैं । अमेरिका के लिए नयी सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते बनाना आसान होगा। भारत की अपेक्षा रहेगी कि नवाज शरीफ नयी सरकार पर दबाव बनायें और भारत-पाकिस्तान के मध्य बातचीत दोबारा शुरू हो सके। विश्लेषकों का मानना है कि आपसी अंतर्विरोध की संभावना के चलते पाक की नयी गठबंधन सरकार कमजोर होगी जिस कारण अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय स्तर पर चुनौतियों से निपट पाना सरल न होगा।

इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी

इम्यूनिटी सही होने की वजह से इंफेक्शन नहीं होते। अगर कोई बीमार भी है तो जल्दी ठीक भी हो जाता है। यह ताकत आपको गोजी बेरी खाने से मिलती है। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करते हैं। सूखे गोजी बेरी स्वस्थ मध्यम आयु वर्ग के लोगों में उम्र से संबंधित मैकुलर अपघटन, या एएमडी के विकास को रोकने या देरी करने में मदद कर सकते हैं।

बढ़ाए आंखों की रोशनी

शराब की वजह से नसें कमजोर हो जाती हैं और डायबिटीज भी बन सकती है। इसके बाद आंखों की रोशनी कमजोर होने लगती है और वक्त से पहले ही चश्मा चढ़ जाता है। हम गाजर और अन्य बीटा-कैरोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं कि ये मौसमी फल और सब्जियां आंखों की रोशनी में सुधार करने में मदद करती हैं। आंखों के लिए गोजी बेरी का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। ये आंखों की रोशनी बनाए रखने में मददगार साबित होती है। गोजी बेरी खाने से जैक्सैंथिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं जो नजर तेज करने के लिए जाने जाते हैं। गोजी बेरी उम्र से संबंधित दृष्टि हानि से बचाने में भी सहायक है।

दिमाग को दे राहत

दिमाग के बढ़ते प्रेशर के कारण मेंटल हेल्थ कमजोर हो गई है। डिप्रेशन, एंग्जायटी, नींद की कमी आपके कमजोर ब्रेन हेल्थ की निशानी है। अध्ययन में देखा कि जो लोग डाइट में इस बेरी के जूस को लेते हैं उनकी मेंटल हेल्थ सुधरने लगती है और इन समस्याओं से दूर हो जाते हैं। चीन में गोजी बेरी का उपयोग ट्यूमर का इलाज करने के लिए भी किया जाता है। एक अध्ययन के दौरान पाया गया है कि गोजी बेरी में एक विशेष प्रकार का विटामिन होता है, जो सर्वाइकल कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर ड्राई फ्रूट्स ही नहीं बल्कि डाइट लेने से भी आप ब्रेन हेल्थ को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। कैल्शियम, जिंक और सेलेनियम से भरपूर ड्राई फ्रूट दिमाग के लिए सबसे बेस्ट होता है, जो ब्रेन एक्टिविटी फास्ट करने और मेमोरी पावर को बूस्ट करने जैसे हर लेवल पर काम करते हैं।

प्रोटीन से है भरपूर

28 ग्राम गोजी बेरी आआपको 4 ग्राम प्रोटीन, 21.6 ग्राम कार्ब्स, 3.6 ग्राम फाइबर और शुगर देती है। आप ना सिर्फ अंदर से मजबूत बनते हैं बल्कि शरीर के बाहर से भी ताकतवर बनने लगते हैं। यह आपको कमजोरी, थकान और दुबलापन दूर करने में मदद करती है।

गोजी बेरी

शराब पीने के साइडइफेक्ट्स से बचाता है

कुछ ड्राई फ्रूट्स में कई सारे ऐसे तत्व होते हैं जो शराब का बुरा प्रभाव खत्म कर देते हैं। एल्कोहॉल छोड़ने पर इस फूड्स का बेहतरीन असर दिखता है। गोजी बेरी लिवर कैंसर से बचाने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ा सकती है। हर दिन शराब की बिक्री का रिकॉर्ड टूटता जा रहा है। भारी संख्या में लोग एल्कोहॉल एडिक्शन के शिकार बनते जा रहे हैं। यह आपके लिवर को सड़ाकर फैटी बना देता है। ऐसे लोगों में लिवर कैंसर होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। शराब के साथ डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है जिससे आपकी नजर जवानी में ही जा सकती है। शराब के इन सभी साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए आप गोजी बैरी खा सकते हैं। इसे वोल्फ बेरी भी कहा जाता है जो ऐसे पोषक तत्व देती है जिससे शराब के दुष्परिणामों से छुटकारा मिल सकता है। यह ड्राइ फ्रूट किडनी और फेफड़ों के डैमेज को कम करने के लिए आयुर्वेदिक और चाइनीज मेडिसिन में इस्तेमाल किया जाता है।

फैटी लिवर और कैंसर में लाभकारी

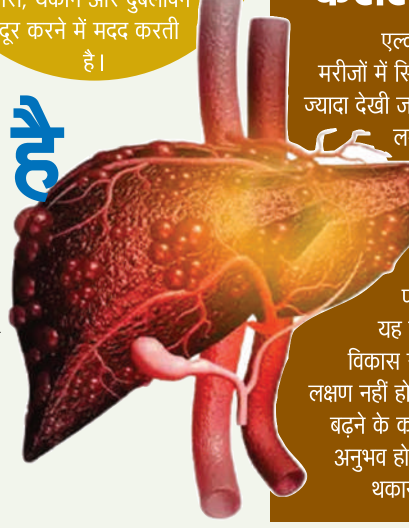

एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज के मरीजों में सिरोसिस और कैंसर की संभावना ज्यादा देखी जाती है। लेकिन कुछ शोध में पता लगा कि फैटी लिवर के इस प्रकार से बचने के लिए गोजी बेरी को चाइनीज मेडिसिन में इस्तेमाल किया जाता है। एनसीबीआई पर मौजूद रिसर्च भी कहती है कि यह लाल बेरीज कैंसर के ट्यूमर का विकास रोक देते हैं। फैटी लिवर के कोई लक्षण नहीं होते हैं, हालांकि कुछ को लिवर के बढ़ने के कारण पेट के दाहिनी ओर दर्द का अनुभव हो सकता है। अन्य लक्षण सामान्य थकान, मतली और भूख न लगना है।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पर लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नहीं? जरूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबैंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते है मैं आपसे प्यार नही करती।

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

वृषभ

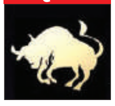

यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

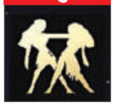

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

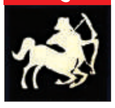

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर

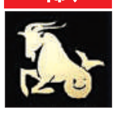

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं धर्म और नैतिकता का नहीं केवल कानून का पालन करता हूं : रामगोपाल वर्मा

राम गोपाल वर्मा अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्मों से ज्यादा विवादों के लिए अधिक जाने जाते हैं। इसे लेकर निर्देशक ने हाल ही में एक बातचीत में खुलकर बात की है। साथ ही बताया कि वह नैतिकता का सम्मान क्यों नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनका विद्रोह शुरू हो गया था। निर्देशक ने रंगनायकम्मा द्वारा लिखित रामायण : द पॉइजनस ट्री का खुलासा किया, जिसने आलोचनात्मक सोच का द्वार खोल दिया। राम गोपाल वर्मा ने रामायण : द पॉइजनस ट्री पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है एक तरह से किताब ने उस सोच को प्रेरित किया, क्योंकि रामायण जैसी पूजनीय चीज को उनके द्वारा मार्क्सवादी दृष्टिकोण से समझा जाना अविश्वसनीय था। इसलिए मैंने मार्क्सवाद का पहलू नहीं अपनाया, लेकिन तथ्य यह है कि आप चुनौती दे सकते हैं। ऐसा कुछ जिसके बारे में आप सोचते हैं कि उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। चीजों को अंकित मूल्य पर न लेने के मामले में यह मेरा पहला प्रभाव था, जिस तरह से वे आपके माता-पिता या आपके शिक्षकों या किसी अन्य द्वारा आपको बताए गए थे। राम गोपाल वर्मा ने आगे बताया कि इसके बाद उन्होंने और भी ऐसी दार्शनिक किताबें पढ़ीं, जिन्होंने उन्हें विद्रोही बना दिया। उन्होंने कहा, मैं एक विद्रोही की तरह रहता हूं। विद्रोह क्या है? विद्रोह कुछ और नहीं बल्कि जो स्वीकृत है उसके विरुद्ध जाना है, लेकिन मैं हमेशा एक ही बात का पालन करूंगा। मैं कानून का पालन करूंगा। मैं नैतिकता का पालन नहीं करता। मैं धर्म का पालन नहीं करता। क्योंकि कानून जरूरी है। निर्देशक ने आगे कहा, अगर आपको किसी शहर में रहना है तो उसके लिए आपको कुछ बातों का पालन करना जरूरी है। यह समाज से आपको मिलने वाले सभी लाभों के लिए भुगतान करने के लिए एक छोटी सी कीमत है। तो चार पहलुओं में, एकमात्र चीज जिसका मैं पालन करता हूं वह कानून है।

मेरा मजाक उड़ाने के लिए मुझे हिंदी में लिखी स्क्रिप्ट दिया करते थे कास्टिंग डायरेक्टर

नोरा फतेही ने शुरुआती करियर में अपने साथ हुए भेदभाव को किया जाहिर

सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'भुज' में रॉ एजेंट हीना रहमान के रूप में सेकेंड लीड रोल करने वाली अभिनेत्री नोरा फतेही के करियर का बड़ा टर्निंग प्वाइंट इस शुक्रवार को रिलीज होने जा रही फिल्म 'क्रैक जीतेगा तो जिएगा' बन सकती है। अपने आइटम नंबर्स के लिए साउथ सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक में अपनी पहचान बना चुकी नोरा अब खुद को एक अभिनेत्री के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। और, फिल्म 'क्रैक जीतेगा तो जिएगा' में फिल्म के हीरो विद्युत जामवाल की हीरोइन बनना इस दिशा में उनका पहला ठोस कदम है। अभिनेत्री नोरा फतेही को ओ साकी-साकी, दिलबर, छोड़ देंगे, एक तो कम जिंदगानी, हाय गर्मी जैसे कई ब्लॉकबस्टर आइटम गानों से खूब लोकप्रिय मिली है। फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा में वह अभिनेता विद्युत जामवाल के साथ आलिया नाम की एक इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त स्टंट सीन करती नजर आएंगी। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नोरा फतेही कहती हैं, आज इन्फ्लुएंसर का जमाना है, हर कोई बच्चा इन्फ्लुएंसर बनकर पैसा कमाना चाहता है, लेकिन यह इतना भी आसान नहीं है। आप के अंदर ऐसा व्यक्तित्व होना चाहिए जो लोगों को आप की तरह आकर्षित कर सके।

6 फरवरी 1992 को कनाडा में जन्मी नोरा फतेही का असली नाम नूरा फथी है। उनके माता-पिता नॉर्थ अफ्रीका के मोरक्को से रहे हैं और दोनों तलाकशुदा हैं। नोरा का एक छोटा भाई ओमर फतेही है। नोरा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंड्री स्कूल से पूरी की, उसके बाद टोरंटो के यॉर्क विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन में दाखिला लिया, लेकिन कुछ कारणों की वजह से नोरा अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की पायीं और कॉलेज बीच में ही छोड़ दिया। नोरा अपने कॉलेज के दौरान एक पेशेवर बेली डांसर बन गई थीं। जब कनाडा से इंडिया आई तब उनके पास महज पांच हजार रुपये थे। शुरुआती दिनों में नोरा ने बहुत संघर्ष किया। नोरा कहती हैं, ऑडिशन के दौरान कास्टिंग डायरेक्टर मुझे जानबूझकर हिंदी में लिखी स्क्रिप्ट दिया करते थे ताकि मेरे सामने ही मेरा मजाक उड़ा सकें। मुझे बहुत गुस्सा आता था, लेकिन अपने गुस्से पर नियंत्रण रखते हुए वहां से निकल जाती थी। मुझे इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि लोग इस तरह से मजाक उड़ाएंगे।

बॉलीवुड की सच्चाई को बयां करेगा 'शोटाइम' : इमरान

इमरान हाशमी इन दिनों अपने आने वाली वेब सीरीज शोटाइम को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस सीरीज में उनके अलावा मौनी रॉय और नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने अपने शो के प्रचार के दौरान मीडिया से खुलकर इस सीरीज की कहानी के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में भी कई दिलचस्प खुलासे किए।

शोटाइम साल 2024 की सबसे बहुचर्चित वेब सीरीज में से एक है। पिछले दिनों इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे देखकर शो की कहानी का अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं, हाल ही में शोटाइम में अहम भूमिका निभा रहे इमरान हाशमी ने मीडिया से बाते करते हुए कहा, देखिए आप जब इस शो को देखेंगे, तब आपको लगेगा कि कहीं यही तो बॉलीवुड की सच्चाई नहीं है। यह शो आपको हमारे फिल्म इंडस्ट्री के बारे में काफी कुछ बताएगी। अभिनेता इमरान हाशमी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, हमने काफी मेहनत और रिसर्च के बाद इस वेब सीरीज को बनाया है।

अजब-गजब | खतरनाक जानवरों से भी टकरा जाता है यह पक्षी

ये है दुनिया का सबसे निडर पक्षी

दुनिया में बहुत सारे पक्षी आम तौर पर किसी खतरे को भांप कर दूर उड़ जाते हैं या फिर पास में ही कहीं छिप जाते हैं। कुछ पक्षी ऐसे होते हैं जो डरते नहीं हैं और इंसानों के आने पर भी उन्हें किसी तरह का खतरा नहीं दिखता है। या तो इन्हें निडर, बेखौफ या बहादुर पक्षी कहा जा सकता है या फिर इन्हें सिर्फ बेवकूफ पक्षी करार दिया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही पक्षियों के बारे में।

नॉर्दर्न मॉकिंगबर्ड उत्तरी अमेरिका में पाया जाना सर्वहारी पक्षी होता है। इनका निर्भीक बर्ताव तब देखने को मिलता है जब उन्हें अपने घोंसले की रक्षा करनी होती है। ये प्राय: इसके लिए बड़े से बड़े शिकारी जानवर और इंसानों से भी टकरा जाते हैं। ये आमतौर पर बहुत बुद्धिमान किस्म के पक्षी माने जाते हैं। ये दूसरे पक्षियों की आवाजों की नकल करते हैं और अपना इलाका होने का संदेश देते हैं। नॉर्दर्न गोसहॉक एक तरह का बाज है। चौड़े पंख और लंबी पूंछे से पहचाने जाने वाले गोसहॉक देखने में सुंदर दिखते हैं। ये पक्षी तब बहुत खतरनाक हो जाते हैं जब उन्हें बच्चों की रक्षा करनी होती है। अपने घोंसले का रक्षा करते समय ये हर आक्रमण करने वाले जानवर पर तेज हमला करते हैं। कनाडा जे जिन्हें ग्रे जे या विस्की जैक भी कहा जाता है। धूसर, काले और सफेल रंग के होते हैं। कौए इन्हीं की परिवार की प्रजाति होते हैं। खाने के लिए ये किसी भी जगह पर हमला कर देते हैं। इंसानों से ये बिलकुल नहीं डरते हैं बल्कि जब इंसान इन्हें खाने का लालच देता है तो ये पास तक आने में नहीं डरते हैं। शूबिल स्ट्रोक अफ्रीका में पाया जाने वाला अजीब से शक्ल का पक्षी है। ऐसा लगता है कि यह पुराने समय का जानवर है इसकी भारी चोंच के कारण ही इसे शूबिल नाम मिला है। ये इंसानों से कभी नहीं डरते हैं। यहां तक कि ये मगरमच्छ के ऊपर तक खड़े होते देखे जाते हैं और उनके बच्चों को भी खा भी लेते हैं। इसके अलावा ये सांप, मछलियां आदि भी खाते हैं। साउथ पोलर स्कूआ एक बड़ा समुद्री पक्षी है। 50-55 सेमी ऊंचा यह पक्षी दक्षिणी महासागर में रहता है। ये अपने शिकारी स्वभाव के लिए पहले से ही मशहूर हैं। यह दूसरे पक्षियों के अंडे ही नहीं बल्कि बड़े पक्षियों को भी खाते हैं। उनके घोसलों के पास आने पर कितना ही खतरनाक जानवर क्यों ना हो ये उस पर हमला कर देते हैं। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में पाया जाना वाला ब्लैक काइट 44-66 सेमी का मध्यम आकार का रैप्टर है। ये बहुत ही जल्दी इंसानों के पास रहना सीख लेते हैं। ये इतने निडर होते हैं कि ये इंसानों के हाथ तक के खाने की चीज छीन कर उड़ते पाए जाते हैं। ये आग से भी ज्यादा नहीं डरते हैं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के जंगलों की आग के पास ही ये उड़ते देखे गए थे क्योंकि ये जानते थे कि उनके शिकार आग से भागते हुए निकलेंगे जिससे उनका शिकार किया सके।

यह देश मुफ्त में दे रहा घर, गाड़ी और बंगला, ऐश-ओ-आराम से कटेगी जिंदगी

दुनिया में कई बेहद खूबसूरत जगहें हैं, जहां जाना, घूमना-फिरना लोगों को बहुत पसंद होता है। पर सोचिए कि अगर किसी जगह घूमने जाने और वहां पर रहने के लिए आपको पैसे दिए जाएं, तो क्या आप वहां जाना चाहेंगे? अमेरिका में एक ऐसी जगह मौजूद है, जहां अगर आप गए, तो आपको कमाने की टेंशन ही नहीं लेनी है, यहां आपको मुफ्त का घर मिलेगा, गाड़ी, बंगला भी मिलेगा और आप ऐश-ओ-आराम से जिंदगी बिता सकते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में एक राज्य है, वरमॉन्ट। ये एक पहाड़ी इलाका है। शायद आप नहीं जानते होंगे कि इस राज्य में फेमस बेन एंड जेरी आइसक्रीम बनती है। राज्य इतना खूबसूरत है कि यहां पर पर्यटन काफी पनप सकता है। पर यहां सिर्फ 6 लाख लोग रहते हैं। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिमोट वर्कर ग्रांट प्रोग्राम की शुरुआत साल 2018 से की गई थी। स्टेट ऑफ वरमॉन्ट के एजेंसी ऑफ कॉमर्स एंड कम्यूनिटी डेवलपमेंट के अनुसार ये स्कीम अभी भी चल रही है, मगर इस स्कीम को 2023 में बंद कर दिया गया था। यह राज्य रिमोट वर्कर ग्रांट प्रोग्राम आवेदकों को 2 साल के लिए 10,000 (लगभग 7.4 लाख रुपये) की दे रहा है। 2018 के मई में, वरमॉन्ट के गवर्नर फिल स्कॉट ने इससे संबंधित बिल पर हस्ताक्षर किए, जो वरमॉन्ट में जाने और राज्य में रहकर काम करने के लिए इच्छुक लोगों को 10,000 प्रदान करता है। स्टेट ऑफ वरमॉन्ट के एजेंसी ऑफ कॉमर्स एंड कम्यूनिटी डेवलपमेंट के अनुसार जो व्यक्ति 1 फरवरी 2022 या उसके बाद राज्य में रहने के लिए आता है, और जो पूरी तरह किसी ऐसी कंपनी के लिए काम कर रहा है जो राज्य से बाहर और पूरी तरह रिमोट वर्क है, उसे इस प्रोग्राम का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही आदमी की सैलरी 1 हजार रुपये प्रति घंटे से ज्यादा होनी चाहिए। आपको यहां रहने के इन चीजों का रिबर्समेंट मिलेगा। लीज डिपॉजिट, और 1 महीने का किराया शामिल होगा। सामान शिफ्ट करने वाली कंपनी का खर्च, सामानों को रेंट करने का खर्च, शिपिंग, और कुछ अन्य तरह के इंसेंटिव शामिल होंगे।

दिल्ली में गठबंधन का जल्द होगा ऐलान : केजरीवाल

» बोले- कांग्रेस के साथ बातचीत अंतिम दौर में
» गुजरात में भी सीट बंटवारे पर हो रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। लेकिन अभी तक विपक्षी गठबंधन इंडिया की तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है। कई जगह सहयोगी दलों में अब तक सीट बंटवारे पर बात नहीं बन पा रही है। इसमें आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच भी अब तक आपसी सहमति नहीं बन पाई है। लेकिन अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में गठबंधन के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। इस बारे में जल्द ही गठबंधन की घोषणा की जाएगी।

अरविंद केजरीवाल

ने पंजाब में स्वतंत्र रूप से संसदीय चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की संभावना को खारिज कर दिया। वहीं, दिल्ली में कांग्रेस के साथ आप के गठबंधन की संभावनाओं के बारे में उन्होंने ने कहा कि कई दौर की चर्चा हो चुकी है और बातचीत अंतिम चरण में हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन की घोषणा बहुत जल्द की जाएगी।

अन्य राज्यों के लिए भी चल रही चर्चा

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों के लिए भी कई दौर की चर्चा हो चुकी है और बातचीत अंतिम चरण में है। आप ने पहले कहा था कि वह लोकसभा चुनाव में समझौते के लिए इंडिया गठबंधन के साथ बातचीत कर रही है। खासतौर वह गुजरात, हरियाणा, दिल्ली और गोवा के बारे में बात कर रही है। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने हाल ही में कहा था कि पार्टी ने गुजरात में कांग्रेस से 26 लोकसभा सीटों में से आठ की मांग की है। उन्होंने कहा कि आप ने पिछले विधानसभा चुनाव में कुल 13 फीसदी वोट पाकर पांच सीटें जीती थीं। गुजरात और आगामी चुनावों के लिए राज्य में आठ लोकसभा सीटों का दावा किया, जबकि शेष 18 कांग्रेस को देने की पेशकश की। उन्होंने दिल्ली की सात में से एक लोकसभा सीट भी कांग्रेस को देने की पेशकश करते हुए कहा था कि वह इसके लायक भी नहीं है। आप ने अब तक गुजरात और असम में दो-दो और गोवा में एक सीट पर अपने उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा की है।

देश के सामने आ गई भाजपा की बेईमानी

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए आप के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस कठिन समय पर लोकतंत्र को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आपका शुक्रिया। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा द्वारा की गई बेइमानी की सच्चाई सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश के सामने आ गई। केजरीवाल ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में आखिरकार संविधान और लोकतंत्र की जीत हुई। यह ऐतिहासिक फैसला है। इस फैसले से चंडीगढ़ और पूरे देश की जनता की जीत हुई है। साथ ही, यह इंडिया गठबंधन की पहली और बहुत बड़ी जीत है। एक तरह से हम यह जीत उनसे छीन कर लाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के 20 में से 8 वोट चोरी कर लिया था, लेकिन हमने हार नहीं मानी। यह जीत संदेश देता है कि एकता, अच्छी प्लानिंग, रणनीति और मेहनत से भाजपा को हराया जा सकता है। उन्होंने कहा, ये लोग बड़े विश्वास से लोकसभा चुनाव में 370 सीट आने का दावा कर रहे है। इसका मतलब है कि इन्होंने कुछ तो गड़बड़ कर रखी है। इसलिए देश के 140 करोड़ लोगों को मिलकर अपने जनतंत्र को बचाना पड़ेगा।

यूपी समेत पूरे देश में गरीब पिस रहे हैं : राहुल

» बोले- सिर्फ सात फीसदी अमीरों को फायदा पहुंचाने में जुटी बीजेपी
» कांग्रेस के घोषणापत्र में जाति जनगणना पहले स्थान पर
» बीजेपी सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के लिए योजना बनाती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इस समय उत्तर प्रदेश में भ्रमण कर रही है। इस बीच राहुल रायबरेली होते हुए राजधानी लखनऊ पहुंचे। यहां भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि यूपी ही नहीं पूरे देश में गरीब पिस रहे हैं। भाजपा सरकार सिर्फ सात फीसदी अमीरों को फायदा पहुंचाने में लगी है। देश के ओबीसी, दलित, अनुसूचित जनजाति के 73 फीसदी लोग हैं। 15 फीसदी अल्पसंख्यक व पांच फीसदी सामान्य गरीब को मिलाकर 93 फीसदी हैं। इनकी हर स्तर पर अनदेखी हो रही है।

राहुल ने एलान किया कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में जातीय जनगणना पहले स्थान पर है। सरकार बनते ही यह करा जाएगी ताकि सबकी हिस्सेदारी पता चल सके। इसी तरह किसानों को लीगल एमएसपी दिलाई जाएगी। पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रायबरेली से लेकर लखनऊ के घंटाघर तक हुई करीब आठ सभाओं में राहुल का भाषण पिछड़े, दलितों व युवाओं पर फोकस रहा। राहुल ने उद्योगपतियों के बहाने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के लिए योजना बना रही है। गांव, गरीब व किसान उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। उन्होंने वाराणसी का जिक्र करते हुए कहा कि वहां रात को देखा कि यूपी का भविष्य सड़कों पर शराब पीकर नाच रहा है। आपसे 24 घंटे झूठ बोला जाता है। सही बात पता न चले, इसलिए सपने दिखाए जाते हैं। राम मंदिर उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पर कोई किसान, आदिवासी और दलित नहीं दिखा। अपनी यात्रा का मकसद बताते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि पहली यात्रा के बाद तमाम लोग मिले, जिन्होंने कहा कि देश में गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। देश व प्रदेश में पिछड़े व दलित अस्पतालों के मालिक नहीं बल्कि मजदूर हैं।

पिछड़ों-दलितों व आदिवासियों को सेना से निकालने की साजिश है अग्निवीर

राहुल ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के लिए नौकरी ही एकमात्र रास्ता है लेकिन पेपर लीक कराकर अमीरों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। गरीब बच्चे पांच साल पढ़ाई करते हैं और अमीर बिना पढ़े 100 फीसदी अंक पा जाते हैं। कहा कि चीन के मोबाइल का फायदा वहां के युवाओं को मिलता है। हिंदुस्तान के युवा मोबाइल, टेलीविजन बना सकते हैं। मेड इन लखनऊ और मेड इन इंडिया लिख सकते हैं, लेकिन उनको उसका फायदा नहीं मिलता है। यह फायदा सीधे अरबपतियों को मिलता है। अग्निवीरों का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि यह पिछड़ों, दलितों व आदिवासियों को सेना से निकालने की साजिश है। कुछ समय बाद पता चलेगा कि चार लोगों में एक सेना में नियमित हो जाएगा और तीन कमजोर वर्ग के लोगों को निकाल दिया जाएगा।

मेरा सपना देश को मजबूत बनाना: वरुण

» बोले- मेरे परिवार ने देश के लिए अपना खून बहाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। पीलीभीत के भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि मेरे परिवार ने देश के लिए अपना खून बहाया है। मेरा सपना है कि देश मजबूत बने। राष्ट्र की मजबूती के लिए मैं हमेशा आवाज बुलंद करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि विरोधी भी मेरे ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते।

सांसद वरुण गांधी बहेड़ी क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों का समस्याओं को सुना। संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके बाद कई गांवों में जनसंवाद कार्यों को संबोधित किया।

भीषण सड़क हादसे में 9 की मौत, 5 घायल

» बिहार के लखीसराय जिले में ट्रक-ऑटो की हुई भिड़ंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीसराय। बिहार के लखीसराय जिले में मंगलवार की रात चीख-पुकार और दर्दभरी रही। यहां भीषण सड़क हादसे की चपेट में 14 लोग आ गए। इनमें से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। घटना रामगढ़चौक थाना क्षेत्र के झुलौना गांव के पास एनएच 30 पर हुई।

रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने यात्रियों से भरे टेम्पो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं टेम्पो ड्राइवर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

ऑटो के उड़ गए परखच्चे

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार ऑटो में करीब 14 लोग सवार थे। मृतक मुंगेर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति लखीसराय का रहने वाला था। इस मामले में नगर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अमित कुमार ने बताया कि संभवत- किसी अनियंत्रित ट्रक से ऑटो की टक्कर हुई है। ऑटो में 13 से 14 लोग करीब सवार थे। घटना रात के 1.30 से 2 बजे के आसपास की है।

कैटरिंग का काम खत्म कर लौट रहे थे लोग

पुलिस के अनुसार, टेम्पो में सवार सभी लोग सिकंदरा में कैटरिंग का काम खत्म कर लखीसराय रेलवे स्टेशन जा रहे थे। वह ट्रेन से अपने घर जाना चाह रहे थे। इसी दौरान एनएच 30 पर तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पो में टक्कर मार दी। पुलिस का कहना है कि मरने वाले के परिजनों को सूचना भेज दी गई है। ट्रक चालक की तलाश में छापेमारी चल रही है। परिजनों के आने के बाद सभी लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

जल्द ही क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर सकते हैं पंत

» लंबे वक्त के बाद वार्मअप मैच खेलने उतरे ऋषभ
» आईपीएल में कर सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर है। टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज व स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत जल्द क्रिकेट के मैदान में उतरते ही दिखाई दे सकते हैं। दरअसल, उनके फैन्स के लिए सबसे बड़ी खबर यह है कि वो बेंगलुरु के पास अलुर में एक वॉर्मअप मैच खेलने के लिए उतरे। जहां उन्होंने अपनी रिकवरी को लेकर पॉजिटिव संकेत दिया है। कुल मिलाकर पंत ने एक लंबे अर्से के बाद कोई प्रैक्टिस मैच खेला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी के सूत्रों ने संकेत दिया है कि 26 साल के पंत आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। लेकिन वो टीम में एक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे, उनकी जगह कोई अन्य खिलाड़ी विकेटकीपर के रूप में टीम में खेलेगा। पंत इस समय बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं।

विकेटकीपिंग को लेकर असमंजस

पंत को आईपीएल में खेलने को लेकर एनसीए का भी क्लियरेंस लेना होगा। इससे पूर्व पंत की फिटनेस को लेकर दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने बताया था कि इस साल पंत विकेटकीपिंग कर पाएंगे या नहीं, इसे लेकर वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने कहा पंत फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पोटिंग ने कहा पंत को इस बात का विश्वास है कि वो आईपीएल के आगामी सीजन में हर मैच में खेलेंगे। पंत का 30 दिसंबर, 2022 को रूड़की के पास गुरुकुल नारसान में एक्सीडेंट हुआ था। उसके बाद से ही वो क्रिकेट से दूर हैं।

हमको मुर्दाबाद, खुद को जिंदाबाद का नारा लगाते रहिए : नीतीश

» भड़के सीएम बोले- अगली बार महागठबंधन की एक भी सीट नहीं आएगी

» विपक्ष का आरोप- बीजेपी विधायक ने आरजेडी एमएलए को दी गाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार विधानसभा में विपक्ष का जमकर हंगामा

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान आज भारी हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ने सदन में जोरदार हंगामा किया। सदन के अंदर वेल में आकर महागठबंधन के विधायक हंगामा करने लगे। महागठबंधन के विधायक बीजेपी एमएलए शैलेंद्र के बयान से नाराज थे। महागठबंधन के विधायकों ने कहा कि बीजेपी विधायक शैलेंद्र ने आरजेडी के विधायक रामवृक्ष सदा को गाली दी। असंसदीय भाषा का प्रयोग किया। माफी मांगें का नारे लगाने लगे। विपक्ष का आरोप है कि दलित का अपमान किया गया है। इस दौरान महागठबंधन के विधायक नीतीश कुमार मुर्दाबाद का नारा लगाने लगे। इस पर नीतीश कुमार भड़क गए। नीतीश कुमार ने कहा कि हमको मुर्दाबाद, अपना जिंदाबाद का नारा लगाते रहिए। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि अगली बार और कम संख्या में आइएगा। एक भी सीट नहीं मिलेगी अबकी आपको। हालांकि, महागठबंधन के विधायक कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। नारेबाजी करते रहे। सदन के अंदर वेल में धरने पर बैठ गए।

नीतीश के आदेश का पालन नहीं करते अधिकारी : भाई वीरेंद्र

मुख्यमंत्री को एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं

हंगामे के बाद सदन से महागठबंधन के विधायक वॉकआउट कर गए। विधानसभा परिसर में आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री जो आदेश देते हैं उसका कोई भी पदाधिकारी पालन करने का काम नहीं करता है। आज फिर हम लोगों को आवाज उठानी पड़ी। सीएम नीतीश कुमार ने जो मंगलवार को शिक्षा विभाग को आदेश दिया उसका अनुपालन नहीं हुआ और खड़े होकर नीतीश कुमार गलत बयानबाजी कर रहे हैं। पत्र में लिखा है 10 से चार बजे तक स्कूल चलेगा, लेकिन जो शिक्षकों को आदेश दिया गया था वो पहले के जैसा रहेगा। यानी शिक्षक 8:30 बजे तक स्कूल पहुंचेंगे। ये तुगलकी फरमान है। भाई वीरेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री को एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। कल हमारे एक विधायक को बीजेपी के एमएलए ने अपमानित किया है। असंसदीय भाषा का प्रयोग किया है। उसका भी कार्यस्थगन दिया गया है, लेकिन कार्यस्थगन को भी सदन में नहीं पढ़ने दिया गया। ये कैसा लोकतंत्र है?

'अर्जुन' बने अजय राय के सारथी 'श्रीकृष्ण' के रूप में दिखे राहुल

» कानपुर में लगी होर्डिंग में महाभारत के अवतार में दिखे कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इस समय यूपी में भ्रमण कर रही है। इस बीच कानपुर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर शहर में पोस्टर-बैनर लगाए गए हैं। इस सब के बीच एक ऐसी होर्डिंग वायरल हो रही है, जिसकी हर जगह चर्चा हो रही है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी को श्रीकृष्ण और अजय राय को अर्जुन बताया गया है।

बता दें कि इस होर्डिंग को कांग्रेस नेता एडवोकेट संदीप शुक्ला ने लगवाया है। उनका कहना है कि जिस तरह महाभारत में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध जितवाया था, वैसे ही राहुल गांधी भाजपा से मुकाबले में चुनाव जीतेंगे। उत्तर प्रदेश में वह अजय राय के सारथी बने हैं। यह होर्डिंग कानपुर नगर के जुहारी देवी कॉलेज के पास राहुल गांधी के आगमन के लिए बनाए गए मंच के पास लगाई गई है। कांग्रेस के युवा नेता संदीप शुक्ला ने यह होर्डिंग लगवाई है।

हाईकोर्ट का विस स्पीकर को नोटिस

» अजित गुट ने शरद पवार खेमे के 10 विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए दायर की है याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी और शरद पवार वाली गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने को लेकर शरद पवार और भतीजे अजित पवार में तनाव बना हुआ है। हालांकि, एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न अजित के पाले में चले गए, लेकिन विधायकों को अयोग्य घोषित करने वाली मांग पूरी नहीं हुई। शरद पवार खेमे के 10 विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराने के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के फैसले को अजित पवार गुट ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अजित खेमे की याचिका पर हाईकोर्ट ने नार्वेकर को नोटिस जारी किया है।

अजित के नेतृत्व वाली एनसीपी के मुख्य सचेतक अनिल पाटिल ने शरद पवार खेमे के 10 विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराने के स्पीकर के फैसले को चुनौती देते हुए दो याचिकाएं दायर की थीं। वहीं न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदोश पूनीवाला की खंडपीठ ने आज महाराष्ट्र विस सचिवालय को भी नोटिस जारी किया और सभी प्रतिवादियों को याचिकाओं पर अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया।

56 में से 41 रास सांसद चुने गए निर्विरोध

» अब सिर्फ 15 सीटों पर 27 फरवरी को होगा चुनाव

» सोनिया गांधी, जेपी नड्डा व अश्वनि वैष्णव जैसे कई दिग्गज पहुंचे उच्च सदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे राज्यसभा चुनावों की चर्चा जोरों पर है। 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है, लेकिन नाम वापसी की अंतिम तारीख बीतने के साथ ही 41 सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है। अलग-अलग राज्यों की 41 सीटों के लिए 41 ही उम्मीदवार मैदान में थे। इन सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। अब 15 राज्यसभा सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा।

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए 41 उम्मीदवारों में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, पार्टी में नए शामिल हुए अशोक चव्हाण और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वष्णव और एल मुरुगन शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की शेष 15 सीटों पर 27 फरवरी को मतदान होगा।

बीजेपी को हासिल हुईं 20 सीटें

सत्तासीन पार्टी भाजपा को राज्यसभा में अभी तक सबसे अधिक 20 सीटें हासिल हुई हैं। इसके बाद कांग्रेस को (6), तृणमूल कांग्रेस (4), वाईएसआर कांग्रेस (3), राजद (2), बीजेडी (2) और एनसीपी, शिव सेना, बीआरएस और जेडी (यू) को एक-एक सीटें मिली हैं। चूंकि इन 41 सीटों पर कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में नहीं थे, इसलिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों ने नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख पर उन्हें विजेता घोषित कर दिया।

यूपी में सपा-भाजपा में होगी टक्कर

यूपी में राज्यसभा की दस सीटों पर हो रहे चुनाव में भाजपा और सपा के बीच 27 फरवरी को मुकाबला होगा। मंगलवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। राज्यसभा चुनाव में भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी, आरपीएन सिंह, अमरपाल मौर्य, नवीन जैन, तेजवीर सिंह, साधना सिंह, संगीता बलवंत बिंद और संजय सेठ उम्मीदवार हैं। वहीं, सपा से जया बच्चन, रामजीलाल सुमन और आलोक रंजन चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा को आठवीं और सपा को तीसरी सीट के लिए संघर्ष करना होगा। भाजपा के पास आठ सीटों के लिए एनडीए गठबंधन, संभावित सहयोगी विधायकों सहित करीब 288 मत हैं।

आईपीएस अधिकारी को खालिस्तानी कहने पर गरमाई सियासत

बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने सिख पुलिसकर्मी को बोला- खालिस्तानी

» ममता ने कहा- भाजपा को सब सिख खालिस्तानी दिखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा के बाद अब एक नया मोड़ आ गया है है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा एक सिख आईपीएस अधिकारी को खालिस्तानी कहने का मामला अब अदालत पहुंच चुका है। अपने ऊपर लगे आरोप पर शुभेंदु अधिकारी ने एडीजी को चुनौती दी कि वह अगले 24 घंटों के भीतर इस आरोप को साबित करें अन्यथा इसका परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने अपने ऊपर लगे सिख पुलिस अधिकारी को खालिस्तानी कहने के आरोप को 24 घंटे के भीतर साबित करने के लिए एडीजी को चुनौती दी है। वरना वह इसका परणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाएं। पश्चिम बंगाल पुलिस जो कि ममता बनर्जी की एकमात्र बचाव दल है वह अब ढह रही है।

ममता ने अधिकारी पर उचित कार्रवाई की कही बात

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को दक्षिण 24 परगना के संदेशखाली का दौरा करने से रोकने के लिए धामखाली में एक सिख आईपीएस अधिकारी को तैनात किया गया था। इस दौरान अधिकारी के साथ अग्निमित्र पॉल भी थे। उन्होंने दावा किया कि पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे थे। इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी भाजपा पर भड़क गईं। उन्होंने कहा कि भाजपा को लगता है कि पगड़ी पहनने वाले सभी सिख खालिस्तानी है। ममता ने पोस्ट करते हुए कहा कि आज भाजपा कि विभाजनकारी राजनीति ने संवैधानिक सीमाओं को बेशर्मी से पार कर लिया है। भाजपा के अनुसार, सभी पगड़ी पहनने वाले व्यक्ति खालिस्तानी है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी लगाया है। इस घटना की निंदा करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस मामले पर उचित कार्रवाई करेंगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।